



बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद्

परिवेश भवन, पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र, पटना-800 010

दूरभाष नं०-0612-2261250/2262265, फ़ैक्स-0612-2261050

ई-मेल-bspccb@yahoo.com, वेबसाईट-http://bspccb.bih.nic.in

पत्रांक-पी.सी./पी.आर.-119/प्रेस विज्ञप्ति/2019/...प्री.आर-001

पटना, दिनांक:-07.05.2019

प्रेस-विज्ञप्ति

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से 'नेशनल ग्रीन कोर' परियोजना संचालित की जा रही है। इसके तहत विद्यालयों में इको-क्लबों का गठन एवं इको-क्लबों के सदस्य छात्र-छात्राओं द्वारा 'ग्रीन गुडस डीड्स' के कार्यान्वयन का लक्ष्य है।

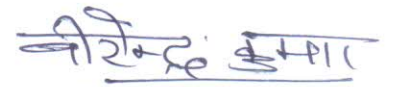
पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के सर्वांगीन विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके सकारात्मकता विकसित करने के उद्देश्य से ग्रीन गुडस डीड्स (Green Good Deeds) पर एक अभियान तैयार किया गया है। मूलतः यह एक छोटे-छोटे कार्यों का समूह है जो एक व्यक्ति के रूप में हर किसी में अपनाने के लिए है और इस तरह से वे स्वेच्छा से पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण की रक्ष में शामिल हों।

ग्रीन गुडस डीड्स पर आधारित "ग्रीन-स्कूल के मानक क्या हो इसे तय करने हेतु सी.बी.एस. ई., के क्षेत्रीय कार्यालय पटना के अधिकारी, राज्य पर्षद् के अध्यक्ष, सदस्य-सचिव व अन्य अधिकारी के साथ सी.बी.एस.ई. पाठ्यक्रम के तहत संचालित कुछ पटना के कुछ प्रमुख विद्यालयों के प्राचार्य/उनके प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक का आयोजन परिवेश भवन, पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र स्थित पर्षद् के मुख्यालय में किया गया।

विद्यालय एवं उनके छात्र-छात्राओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में किए गये कार्यों का एक समिति के द्वारा आकलन किया जायेगा। जो विद्यालय इन मापदंडों पर खड़े उतरेंगे उन्हें 'ग्रीन स्कूल' का दर्जा दिया जायेगा। कालान्तर में राज्य के सभी जिलों में इसे लागू किया जायेगा। इसका उद्देश्य यह है कि बच्चे जो पाठ्यक्रम पढ़ते हैं वे उसे स्कूल एवं उसके बाहर भी कार्यान्वयित करें।

'ग्रीन स्कूल' के मानक पर खड़े उतरने हेतु कुछ मानदंड तय किये गये हैं जिनमें प्रमुख हैं:-

1. ग्रीन कवर
2. कचरा प्रबंधन
3. उर्जा संरक्षण
4. जल संरक्षण
5. विद्यालय में परिवहन व्यवस्था
6. विद्यालयों में इको-क्लब का परिचालन
7. विद्यालय के आस-पास स्थित तालाब, जल, स्रोतों की देख रेख
8. पर्यावरण दिवस, पृथ्वी दिवस आदि का आयोजन आदि।


(वीरेन्द्र कुमार) 07.05.19

जन-सम्पर्क पदाधिकारी